

असाधारगा EXTRAORDINARY

p. ...

भाग II—खण्ड 3--उप-खण्ड (i) PART II—Section 3---Sub-section (i) प्राप्थिकार से प्रकारिशत PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 411] नई विल्ली, गुक्रवार, सितम्बर 30, 1994/आरियन 8, 1916 No. 411] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 30, 1994/ASVINA 8, 1916

विन मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिमुचना

नई विल्ली, 30 सिवम्बर, 1994

स. 172/91-गीना-**ग**व्क

सा ना नि 734 (श्र): - केन्द्रीय सरकार, रांसामृत्य रांधामृत्य १६८१ (1962 वा 52) की श्रास २5 की अभारा (1) द्वारा प्रदत्त मित्रायों का प्रोता करने हुए और भारत सरकार के वित्त संवालय (राजन्व विभाग) का अधिसूचना सं.-1/93 -पांसामृत्य, तारीख़ 8 फरवरी, 1993 को अधिकार करने हुए यह समाधान हो जान पर कि लोकाहत में ऐसा करना पापणा है, किर्मा भी नप में बादी को जिसके अन्तर्भत आभ्रणां है (किन्तु जिसके अन्तर्भत रतने या मोतिया से अहे हुए आभृपण नहीं है), अब उसका भारत में किना उप्युक्त यात्री द्वारा आयान किया जाए, सीमा-युक्त देशिक क्षांधनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुपूर्ण में विनिद्दित्य उस पर उद्घारणीय सीमा-युक्त के उनने भाग से किना 500 एपए प्रति किनो ग्राम

की दर से संगणित रक्तम में अधिया है और र्यागा-मूल्क टीरफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के मजीत उस पर उप्यहणीय सनस्त मिनिरिका मुल्क से निम्नलिखित क्षती के मजीन रहते हुए, छूट देती है, मणीत्:--

- (क) ऊपर विनिर्दिष्ट दर पर गुल्क का तंदाय संगरियततीय विदेशी धरेंसी में किया गाएगा;
- (खा) ऐसे चांबी की माना प्रति उपापुनन यात्री एक सी किलीबाम से प्रधिक नहीं होगी; और
- (ग) चांदी उपगुक्त यात्री उसके भारत में पहुंचने के समय लाई गई है या उसके भारत में पहुंचने के पन्त्रह दिनों के भीतर उसके द्वारा प्रायात की गई है।
- 2. पैरा 1 में अन्तिबिध्द थियी बात के होते हुए भी, इस अधिमूचना के अवीन छूट कियी उपयुक्त याझी द्वारा भारतीय स्टेट बैध या खिनिश और आतु ज्यापार निगम लिमिटेड के सीमा-मुक्त बंधित भांडागार के परिदान किए गए चांबी पर भी पैरा 1 की शर्त (क) और गर्त (ख) के अवीन रहते हुए तथा इस और गर्त के अवीन रहते हुए लागू होगी कि ऐसा उपयुक्त याखी भारत में प्रथने आने के समय बिहित प्रकृप में ऐसे मीमा-शुक्क बंधित भांडागार से चांबी तम परिदान लेने के अपने आण्य की बांबण करते हुए समुचित सीमा-शुक्क अधिकारी के समक्ष घोषणा फाइन करता है और सीमा-शुक्त से अपनी निकामी से पूर्व उर्ग्रहणीय गुक्क का संवाय करता है।
- स्पष्टीक्षरण: --- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए "उपयुक्त याती" में भारतीय मूल का कोई याती या ऐसा कोई यात्री अभिषेत हैं जो पासपोर्ट अधिनियम, 1967 (1967 का 15) के अधीन जारी किए गए विधिमान्य पासपोर्ट का धारक हैं, जो विषेश में कम से कम छह मास के प्रवास के पश्चाल भारत में आ रहा है और छह माम पूर्वोंक्त भविध के वौरान उपयुक्त याती द्वारा की गई सक्षिप्त याता, यदि कोई हो, की उनेक्षा कर की जाएगी, यदि ऐसी याता पर प्रवास की कुल अविध तीम दिन में अधिक नहीं है और ऐसे यात्री ने ऐसी संक्षिप्त याता के ममय इस अधिमुचन। के अधीन किसी भी ममय छूट का लाभ नहीं उठावा है।
- यह प्रधिसूचना 1 नवस्वर, 1994 को प्रतृत्त होगी।

[फा.सं. 495/5/92-सीमा-मृन्त-6] ति.स.सपूर, श्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
NOTIFICATION
New Delhi, the 30th September, 1994

NO. 172/94-CUSTOMS

G.S.R. 734(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962(52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 4/93-Customs, dated the 8th February, 1993, the Central Government, being satisfied that

it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts silver, in any form including ornaments (but excluding ornaments studded with stones or pearls), when imported into India by an eligible passenger, from so much of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of Rs. 500/- per kilogram and the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), subject to the following conditions, namely:—

- (a) the duty at the rate specified above shall be paid in convertible foreign currency;
- (b) the quantity of such silver shall not exceed one hundred kilograms per eligible passenger; and
- (c) the silver is either carried by the eligible passenger at the time of his arrival in India or is imported by him within fifteen days of his arrival in India.
- 2. Notwithstanding anything contained in paragraph 1, the exemption under this notification shall also apply to silver taken delivery of by an eligible passenger from a customs bonded warehouse of the State Bank of India or the Minerals and Metals Trading Corporation Limited, subject to the conditions (a) and (b) of paragraph 1 and subject to further condition that such eligible passenger files a declaration in the prescribed form before the proper officer of customs at the time of his arrival in India declaring his intention to take delivery of the silver from such a customs bonded warehouse and pays the duty leviable thereon before his clearance from customs.

Explanation:—For the purpose of this notification, "cligible passenger" means a passenger of Indian origin or a passenger holding a valid passport, issued under the passports Act, 1967 (15 of 1967), who is coming to India after a period of not less than six months of stay abroad; and short visits, if any, made by the eligible passenger during the aforesaid period of six months shall be ignored if the total duration of stay on such visits does not exceed thirty days and such passenger has not availed of the exemption under this notification at any time of such short visits.

3. This notification shall come into force on the 1st day of November, 1994.

[F. No. 495/5/92-Cus. VI] T. R. KAPUR, Under Secy.